International Biological Diversity Day-2025

[22 May 2025]

International Day for Biodiversity with the theme "Harmony with Nature and Sustainable Development" was celebrated in ICFRE-Forest Research Institute, Dehradun. On this occasion, the Extension Division of Forest Research Institute, Dehradun organized a programme on Bird Watching and Botanization in the campus of the institute. Above 160 participants including all officers, scientists, technical staff, M. Sc. Students and Ph. D. scholars enthusiastically participated in the programme. The participants assembled in the Botanical Garden the institute and welcomed by Ms. Richa Misra, IFS, Head, Extension Division and her team. Thereafter, participants were divided into two groups respectively for Birds watching and Botanization. The Bird watching group was guided by Dr. Arun Pratap Singh, Head, Forest Protection Division and the plants identification group guided by Dr. P. K. Verma, Scientist-D of Forest Botany Division and both the groups proceeded for biodiversity watching inside the campus. Subsequently, both the groups reassembled in the botanical garden.

On this occasion, a programme on poster presentation was also conducted where students and research scholars of Forest FRI (Deemed to be) university presented their posters before the Director, ICFRE-FRI and a team of evaluators. The programme followed by the address of Dr. Renu Singh, Director, ICFRE-FRI. Dr. Renu Singh spoke on the importance of the biodiversity and its conservation. She also stressed on the need of awareness for conservation of biodiversity. She mentioned that biodiversity conservation is directly as well as indirectly associated with survival of mankind. She quoted that if there is no biodiversity, there is no life on this planet. It is also everybody's moral duty to protect and conserve biodiversity so it is our moral duty to conserve and propagate the biodiversity to protect our planet.

The programme was concluded with the vote of thanks delivered by Dr. Charan Singh, Scientist-F, Extension Division of the institute.

All the team members of Extension Division, Electric Section of Engineering & Services Division, Forest Botany Division, Public Liaison Office and others did a commendable work to make the programme successful.

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस-2025
[22 मई 2025]

आईसीएफआरई-वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में "प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकास" थीम के साथ अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में सभी अधिकारियों, वैज्ञानिकों, तकनीकी कर्मचारियों, एम.एससी. छात्रों और पी.एच.डी. शोधार्थियों सहित 160 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर विस्तार प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा संस्थान के परिसर में पक्षी और वनस्पति दर्शन भ्रमण पर कार्यक्रम आयोजित किया। प्रतिभागी संस्थान के वनस्पति उद्यान में एकत्र हुए और विस्तार प्रभाग की प्रमुख, आईएफएस, सुश्री ऋचा मिश्रा और उनकी टीम ने उनका स्वागत किया। इसके बाद, प्रतिभागियों को क्रमशः पक्षी दर्शन भ्रमण और वनस्पति दर्शन भ्रमण भ्रमण के लिए दो समूहों में विभाजित किया गया। पक्षी दर्शन भ्रमण वाले समूह का मार्गदर्शन वन संरक्षण प्रभाग के प्रमुख डॉ॰ अरुण प्रताप सिंह ने किया और वनस्पति दर्शन भ्रमण भ्रमण करने वाले समूह का मार्गदर्शन वन वनस्पति विज्ञान प्रभाग के डॉ॰ पी॰ के॰ वर्मा, वैज्ञानिक-डी ने किया और दोनों समूहों ने परिसर के अंदर जैव विविधता देखने के लिए प्रस्थान किया तथा भ्रमण के बाद दोनों समूह वनस्पति उद्यान में पुनः एकत्रित हुए।

इस अवसर पर पोस्टर प्रस्तुति पर एक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया जहां वन वन अनुसंधान संस्थान सम विश्वविद्यालय के छात्रों और शोध कर्ताओं ने आईसीएफआरई- वन अनुसंधान संस्थान के निदेशक और मूल्यांकनकर्ताओं की एक टीम के समक्ष अपने पोस्टर प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के बाद आईसीएफआरई- वन अनुसंधान संस्थान की निदेशक डॉ॰ रेनू सिंह ने सभी प्रतिभगियों को संबोधित किया। अपने सम्बोधन में डॉ रेनू सिंह ने जैव विविधता और इसके संरक्षण के महत्व पर बात की। उन्होंने जैव विविधता के संरक्षण के लिए जागरूकता की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने उल्लेख किया कि जैव विविधता संरक्षण प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से मानव जाति के अस्तित्व से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि यदि जैव विविधता नहीं है, तो इस ग्रह पर जीवन भी नहीं है। जैव विविधता की रक्षा और संरक्षण करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है, इसलिए हमारे ग्रह की रक्षा के लिए जैव विविधता का संरक्षण और प्रचार प्रसार करना हमारा नैतिक कर्तव्य है।

कार्यक्रम का समापन संस्थान के विस्तार प्रभाग के वैज्ञानिक-एफ डॉ. चरण सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। विस्तार प्रभाग, इंजीनियरिंग एवं सेवा प्रभाग के विद्युत अनुभाग, वन वनस्पति प्रभाग, जन सम्पर्क कार्यालय एवं अन्य के सभी टीम सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सराहनीय कार्य किया।

Glimpses of the Event